114

B.A. (Part – I) Examination, 2022

(Three Year Scheme)

(10+2+3)

(Faculty of Arts)

(For Non-Collegiate Only)

सामान्य हिन्दी

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 36

Note : (1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer-book only

किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी । अत: परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

(2) All the parts of one question should be answered at one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer-book.

किसी भी एक प्रश्न के अन्तर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें ।

1. निम्नलिखित पद्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 5

(क) अंबर कुंजा कुरलियाँ, गरजि भरे सब ताल ।
जिनि थैं गोबिंद बीछुरे, तिनके कौण हवाल ।।
बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम ।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ मनि नाहीं विश्राम ।।

अथवा

https://www.pdusuonline.com

खैर, खून, खाँसी, खुसी, बैर, प्रीति, मदपान ।

रहिमन दाबे ना दबै, जानत सकल जहान ।।

रहिमन धागा प्रेम का, मत तोड़ो छिटकाय ।

टूटे से फिर ना मिले, मिले गाँठ परि जाय ।।

(ख) विचार लो कि मर्त्य हो न मृत्यु से डरो कभी, 5

मरो परन्तु यों मरो कि याद तो करें सभी

हुई न यों सु-मृत्यु तो वृथा मरे, वृथा जिये

मरा नहीं वही कि जो जिया न आपके लिए ।

अथवा

कुछ क्षण का वह उदय-अस्त

केवल एक प्रज्वलित क्षण

दृश्य सोख लेने वाली दोपहरी

फिर

छायाएँ मानव जन की

नहीं मिटीं लम्बी हो-होकर

मानव ही सब भाप हो गये ।

छायाएँ तो अभी लिखी हैं

झुलसे हुए पत्थरों पर

उजड़ी सड़कों की गच पर

मानव का रचा हुआ सूरज

https://www.pdusuonline.com

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) मैं चारपाई पर लेटा हुआ था । मेरे जीवन में ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि किसी ने मेरे पाँव दबाए हों । मैं इसे अमीरों के चोंचले, रईसों का गधापन और बड़े आदमियों की मुटमरदी और जाने क्या-क्या कहकर ईश्वरी का परिहास किया करता और मैं पौतड़ों का रईस बनने का स्वांग भर रहा था । 5

अथवा

यह कथा अनेक क्षेपकोमय विस्तार के साथ सुनाई तो गयी थी मेरा मन फेरने के लिए, और मन फिरा भी, परन्तु किसी सनातन नियम से कथा वाचक की ओर न फिर कर कथा के नायकों की ओर फिर गया और इस प्रकार घीसा मेरे और अधिक निकट आ गया । वह अपना जीवन-सम्बन्धी अपवाद कदाचित् पूरा नहीं समझ पाया था परन्तु अधूरे का भी प्रभाव उस पर कम न था क्योंकि वह सबको अपनी छाया से इस प्रकार बचाता रहता था, मानो उसे कोई छूत की बीमारी हो ।

(ख) हमारे देश के पुराने ग्रन्थों में शनि को 'मंथिन्' भी कहा गया है । मंथिन् का अर्थ मथने वाला या पीड़ा देने वाला भी होता है । इस अर्थ के आधार पर भी शनि को कष्ट देने वाला ग्रह मान लिया गया । वस्तुतः का भी प्राचीन काल में ही शनि को एक अनिष्टकारी ग्रह समझ लिया गया था । 5

अथवा

आचरण की सभ्यतामय भाषा सदा मौन रहती है । इस भाषा का निघण्टु शुद्ध श्वेत पत्रों वाला है । इसमें नाममात्र के लिए भी शब्द नहीं है । यह सभ्याचरण नाद करता हुआ भी मौन है, व्याख्यान देता हुआ भी व्याख्यान के पीछे छिपा है, राग गाता हुआ भी राग के सुर के भीतर पड़ा है । मृदु वचनों की मिठास में आचरण की सभ्यता मौन रूप से खुली हुई है ।

3. (क) कबीर की काव्यगत प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए । 7½

अथवा

'नौका विहार' कविता का मूल भाव क्या है ? समझाइए ।

(ख) 'हिरोशिमा' कविता की मूल भावना क्या है ? समझाइए । 7½

अथवा

'वह तोड़ती पत्थर' कविता के आधार पर निराला की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

https://www.pdusuonline.com

4. (क) 'वापसी' कहानी के नायक गजाधर बाबू का चरित्र-चित्रण कीजिए। 7½

अथवा

कहानी के तत्वों के आधार पर 'नशा' कहानी का विवेचन कीजिए।

(ख) महादेवीजी द्वारा रचित 'घीसा' संस्मरण के नायक की विशेषताएँ बतलाइए। 7½

अथवा

'आचरण की सभ्यता' निबंध का मूल भाव लिखिए।

5. (क) निम्न में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : (शब्द सीमा 250 शब्द) 8

(i) राष्ट्रभाषा हिन्दी का महत्व

(ii) नारी शिक्षा की आवश्यकता

(iii) राजस्थान में पर्यटन की दशा

(iv) मेरे सपनों का भारत

(ख) किसी भी एक उक्ति का पल्लवन कीजिए : 5

(i) "का वर्षा जब कृषी सुखाने।"

(ii) "अतिआकांक्षा असाध्य रोग है"

(iii) आचरण सज्जनता की कसौटी है।

(ग) निम्न गद्यांश का संक्षेपण कीजिए तथा उपयुक्त शीर्षक लिखिए :

संसार की प्रत्येक वस्तु परिवर्तनशील है। क्षण घण्टों में, घण्टे दिन में, दिन सप्ताह में और सप्ताह मास में बदलते रहते हैं। इस प्रकार इस जगत रूपी समन्दर की लहरें मानवता के इस जहाज को निरन्तर आगे बढ़ाती रहती हैं। कुछ प्राचीन सभ्यताएँ नष्ट होती हैं तो नवीन सभ्यताओं का आगमन होता है। इस प्रकार समय कभी विश्राम नहीं करता निरन्तर चलता रहता है। 4

अथवा

https://www.pdusuonline.com

स्वावलम्बन का गुण सभी को सरलता से प्राप्त हो सकता है। यह किसी जाति, वर्ग, सम्प्रदाय की बपौती नहीं है। स्वावलम्बन सभी के पर्याय है, चाहे धनवान, निर्धन, बालक, नारी, पुरुष किंतु यह गुण सभी में नहीं पाया जाता है। स्वावलम्बन के कारण ही चन्द्रगुप्त नाम का सामान्य पुरुष पाटलीपुत्र का राजा बना, स्वावलम्बन के कारण ही मदर टेरेसा आदर्श महिला के रूप में निखरीं।

(घ) (i) पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं को एक पत्र लिखिए जिसमें महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव में कानून व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध हो। 4

अथवा

स्वयं को झुंझुनूं निवासी सुनिता मानकर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने हेतु निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कीजिए।

(ii) प्राचार्य राजकीय महिला महाविद्यालय, झुंझुनूं को शुल्क मुक्ति हेतु प्रार्थना पत्र लिखें। 4

अथवा

प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप बनाइये।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों के हिन्दी पारिभाषिक रूप लिखिए : 5

(i) Case

(ii) Circular

(iii) Tender

(iv) Ban

(v) Ballot

(vi) Bond

(vii) Ability

(viii) Cabinet

(ix) Blue print

(x) Debit

https://www.pdusuonline.com

(च) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए : 5

(i) सदुपयोग

(ii) अनुसरण

(iii) आजीवन

(iv) अनुगमन

(v) पराजय

(vi) निर्जल

(vii) विशेष

(viii) अधिकार

(ix) दिनोदिन

(x) दुस्तर

(छ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए : 5

(i) यह काम तेरे से नहीं होगा ।

(ii) वह मेरे पैरों में गिर गया ।

(iii) मुझे भारी दु:ख हुआ ।

(iv) मैंने हस्ताक्षर कर लिया ।

(ज) किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ बताइये : 5

(i) जले पर नमक छिड़कना

(ii) मुट्ठी गरम करना

(iii) गंगा नहाना

(iv) नौ दो ग्यारह होना

https://www.pdusuonline.com

(झ) विशेषण को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

अथवा

सर्वनाम किसे कहते हैं ? सर्वनाम के भेद बताइये।

---

https://www.pdusuonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.pdusuonline.com